





























































































5. *Витгенштейн Л.* О достоверности // Вопросы философии. 1991. № 2. С. 67-120.
6. *Декарт Р.* Рассуждение о методе. М.: Новая Москва, 1925. 113 с.
7. *Джемс У.* Психология. СПб.: Тип. М.П. Сойкина, 1901. 408 с.
8. *Достоевский Ф.М.* Братья Карамазовы. М.: Художественная литература, 1958. Т. 1. 420 с. Т. 2. 536 с.
9. *Лакатос И.* Фальсификация и методология научно-исследовательских программ. М.: Прогресс, 1995. 235 с.
10. *Леонтьев А.Н.* Деятельность, сознание, личность. М.: Политиздат, 1975. 304 с.
11. *Маркиз де Сад.* Жюстина. -М.: ДФТ, 1992. Т. 1. 540 с.. Т. 2. 542 с.
12. *Найссер У.* Познание и реальность. М.: Прогресс, 1981. 230 с.
13. *Петроний.* Сатирикон. Гос. изд-во, М.-Л., 1924. 256 с.
14. *Тищенко П.Д.* Что значит знать? М.: Изд. Российского открытого ун-та, 1996. 64 с.
15. *Фуко М.* Наблюдать и наказывать. М.: Ad Marginem, 1999, 480 с.
16. *Фрейд З.* По ту сторону принципа наслаждения // Я и Оно. Тбилиси: Мерани, 1991. С. 139-192.
17. *Фрезер Дж.* Золотая ветвь. М.: Политиздат, 1980. 832 с.
18. *Васильченко Г.С.* Частная сексопатология. М.: Медицина, 1983. 304 с.
19. *Якубик А.* Истерия. М.: Медицина, 1982. 344 с.
20. *Brentano F.* Psychologie. Vom Empirische Standpunkt. Hamburg: Meiner, 1924. 270 S.
21. *Husserl E.* Zur Phanomenologie der Intersubjektivität. Text aus dem Nachlass. Erster Tell: 1905-1920 // Husserliana, Haag: Nijhoff, 1973. Bd. XIII. 360 S.
22. *Lacan J.* Ecrits. Paris: Seuil, 1988. 657 p.